सुशासन और अभसिरण वभिाग

चर्चा में क्यों?

हाल ही में छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य सरकार की कल्याणकारी नीतियों के प्रभावी कार्यान्वयन, सुशासन और सार्वजनकि मुद्दों के समाधान के लयिे एक अलग "**सुशासन एवं अभसिरण वभिाग**" बनाने का नरि्णय लयिा है।

प्रमुख बदिु

- कैबनिेट की बैठक में नरि्णय लयिा गया कि विभिाग अब **ई-समीक्षा, ई-लोक सेवा गारंटी और डजिटिल सचवािलय** को शामलि करेगा, जो वर्तमान में सामान्य प्रशासन वभिाग का हस्सिा हैं।
- **छत्तीसगढ़ शासन कार्य (आबंटन) नयिम** में संशोधन तथा राष्ट्रीय शकि्षा नीति 2020 के क्रयान्वयन को भी मंज़ूरी दी गई।
- मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत नया रायपुर में आवासहीन, आर्थकि रूप से कमज़ोर और नम्नि वर्ग के परवािरों को आवास उपलब्ध कराने के लयिे पंजीयन की तथि भिी बढ़ा दी गई है।

राष्ट्रीय शकि्षा नीत ि(National Education Policy- NEP) 2020

- **परचिय:**
  - राष्ट्रीय शकि्षा नीत ि2020 का लक्ष्य **"भारत को वैश्वकि ज्ञान महाशक्त ि बनाना"** है। यह स्वतंत्रता के बाद से भारत में शकि्षा के ढाँचे में कयिा गया तीसरा बड़ा बदलाव है।
    - इससे पहले दो शकि्षा नीतयिाँ **वर्ष 1968 और वर्ष 1986** में लाई गई थीं।
- **मुख्य वशिषताएँ:**
  - पूर्व-प्राथमकि स्कूल से **कक्षा 12 तक स्कूली शकि्षा के सभी स्तरों पर सार्वभौमकि पहुँच** सुनश्चिति करना।
  - **3-6 वर्ष** की आयु के सभी बच्चों के लयिे गुणवत्तापूर्ण प्रारंभकि बाल्यावस्था देखभाल और शकि्षा सुनश्चिति करना।
  - नया पाठ्यक्रम और शैक्षणकि संरचना **(5+3+3+4) क्रमशः 3-8, 8-11, 11-14 तथा 14-18 वर्ष** के आयु समूहों के अनुरूप है।
    - इसमें स्कूली शकि्षा के चार चरण शामलि हैं: आधारभूत चरण (5 वर्ष), प्रारंभकि चरण (3 वर्ष), मध्य चरण (3 वर्ष) और माध्यमकि चरण (4 वर्ष)।
  - **कला और वज्ञिान के बीच,** पाठ्यक्रम तथा पाठ्येतर गतविधियिों के बीच, व्यावसायकि एवं शैक्षणकि धाराओं के बीच कोई **कठोर वभिाजन नहीं;**
  - बहुभाषकिता और भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने पर ज़ोर।
  - एक नए **राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र,** PARAKH (प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा एवं समग्र वकिास के लयिे ज्ञान का वशि्लेषण) की स्थापना।
  - वंचति क्षेत्रों और समूहों के लयिे एक **अलग लगि समावेशन नधि एिवं वशिेष शकि्षा क्षेत्र।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/department-of-good-governance-and-convergence